

तेरे चरणों से रेवा रेवा सुशी मिलती है  
 प्यार मिलता है, तेरा मर्क दया मिलती है  
 तेरे चरणों से रेवा-----

ऐसी दुनियाँ हैं मर्क  
 कौन किसका यहाँ  
 दिल मे चाहत मेरे  
 मर्क को जाने जहाँ

ऐसी करुणा से भरे मर्क  
 कहीं मिलती है  
 प्यार मिलता है तेरा मर्क दया मिलती है  
 तेरे चरणों से रेवा-----

दुनियाँ दरिया बनी,  
 क्यों ये मेरे लिये  
 दौड़ के सब चला  
 मर्क में तेरे लिये

ऐसी प्यारी सी भली मर्क  
 कहीं मिलती है प्यार मिलता है  
 तेरे चरणों से रेवा-----



कौन सी भूल की ॥३॥

जिसका बदला लिया ॥३३॥

राह भटके को मिली ॥३३३॥

इसका बदला लिया ॥३३३३॥

ऐसी अपनी सी भली मर्जी ॥३३॥

कहीं मिलती है ॥३॥

प्यार मिलता है तेरा मर्जी दया मिलती है

तेरे चरणों से रेखा-----

कैसी माया तेरी ॥३३३३॥

खुद ही वू जाने मर्जी ॥३३॥

तेरी शक्ति को ॥३३॥

"श्री बाबा श्री" माने मर्जी

ऐसी फिर भोली-भाली मर्जी ॥३३॥

कहीं मिलती है ॥३३३॥

प्यार मिलता है तेरा मर्जी दया मिलती है-----

तेरे चरणों से रेखा-----